SAMPLE CONTENT

SSC 12 Activity Sheets With Solutions

Based on the Latest Board Paper Pattern

INCLUDES BOARD PAPERS MARCH 2022

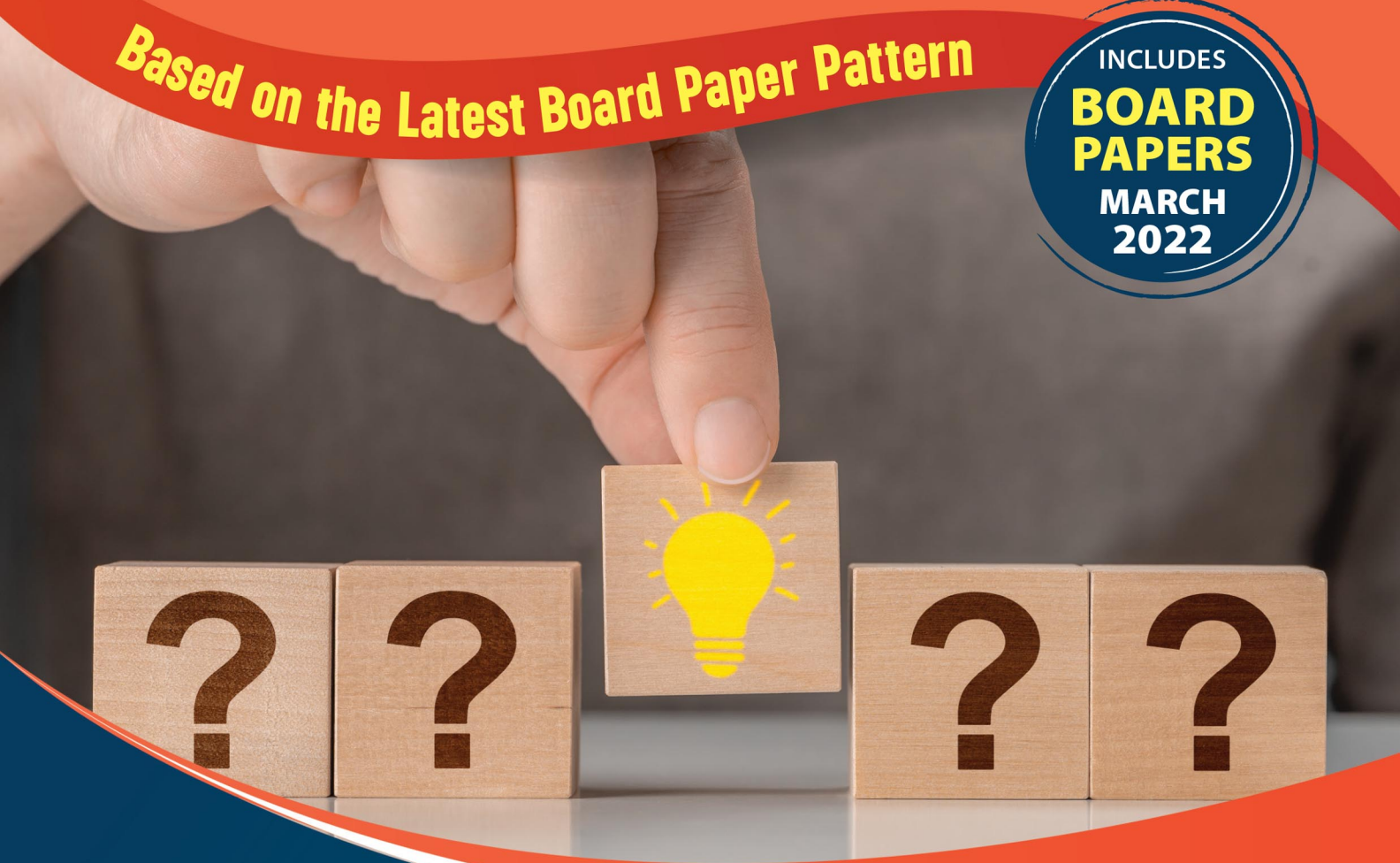

हिंदी लोकवाणी (संयुक्त)

संस्कृत-आनन्दः (संयुक्तम्)

STD. X

ENG., MAR. & SEMI ENG. MEDIUM

Target Publications® Pvt. Ltd.

Based on **the Latest Board Paper Pattern** prescribed by the Maharashtra State Board of Secondary and Higher Secondary Education, Pune - 04

SSC 12 Activity Sheets With Solutions

- हिंदी लोकवाणी (संयुक्त)
- संस्कृत-आनन्दः (संयुक्तम्)

English, Marathi & Semi English Medium

Salient Features

- Created as per the latest paper pattern
- A compilation of 10 Model Activity Sheets of हिंदी लोकवाणी (संयुक्त) & संस्कृत-आनन्दः (संयुक्तम्) and 2 Board Activity Sheets (March 2022) with Solutions
- Contains a Detailed Analysis of the Activity Sheet for better understanding of the evaluation format
- Question-wise break-up of marks incorporated in the Model Activity Sheet
- Includes 'Note' at relevant touchpoints to frame answers accurately

Scan the adjacent QR code to watch the video for Moderator' s Tips of Board Examination

Printed at: **Repro Knowledgecast Ltd.,** Mumbai

© *Target Publications Pvt. Ltd.*
No part of this book may be reproduced or transmitted in any form or by any means, C.D. ROM/Audio Video Cassettes or electronic, mechanical including photocopying; recording or by any information storage and retrieval system without permission in writing from the Publisher.

Balbharati Registration No.: 2018MH0022

TEID: 1278

P.O. No. 00358

Sample Content

PREFACE

Target's SSC 12 Activity Sheets with Solutions is a well-designed compendium, compiled to facilitate systematic preparation for the students appearing for the S.S.C. Board Examination.

The book includes 10 Model Activity Sheets of हिंदी-लोकवाणी (संयुक्त) and संस्कृत-आनन्दः (संयुक्तम्) together, along with their solutions. These Activity Sheets has been prepared as per the Latest Board Paper Pattern. Five Model Activity Sheets have been meticulously put together for every subject in accordance with the curriculum of S.S.C. It also includes March 2022 Board Activity Sheets along with Solutions. The Model Answer Papers offer a comprehensive solution for every question and ensure that the students don't encounter any problem while solving the paper.

The book also contains a Detailed Analysis of the Activity Sheet, so as to make it easy for the students to understand the latest evaluation format. **'Note'** are provided at relevant touchpoints in the Model Answer Papers of each subject to aid students in recognising and understanding the nature of this Examination.

As the old adage goes, 'Practice makes a man Perfect', students will find here, a goldmine of Activity Sheets to practise, before they are up for their final battle. We are sure these Activity Sheets will prove to be extremely instrumental in achieving exemplary scores in the Board Examination.

The journey to create a complete book is strewn with triumphs, failures and near misses. If you think we've nearly missed something or want to applaud us for our triumphs, we'd love to hear from you.

Publisher

Edition: Third

Sample Content

Disclaimer

This reference book is transformative work based on textual contents published by Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. We the publishers are making this reference book which constitutes as fair use of textual contents which are transformed by adding and elaborating, with a view to simplify the same to enable the students to understand, memorize and reproduce the same in examinations.

This work is purely inspired upon the course work as prescribed by the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. Every care has been taken in the publication of this reference book by the Authors while creating the contents. The Authors and the Publishers shall not be responsible for any loss or damages caused to any person on account of errors or omissions which might have crept in or disagreement of any third party on the point of view expressed in the reference book.

© reserved with the Publisher for all the contents created by our Authors.

No copyright is claimed in the textual contents which are presented as part of fair dealing with a view to provide best supplementary study material for the benefit of students.

Index

Subject		Page No.
Marking Scheme	हिंदी-लोकवाणी (संयुक्त)	1
	संस्कृत-आनन्दः (संयुक्तम्)	31
Detailed Analysis of Question Paper	हिंदी-लोकवाणी (संयुक्त)	3
	संस्कृत-आनन्दः (संयुक्तम्)	33

No.	Subject	Test	Page No.	
			आदर्श कृतिपत्रिका	आदर्श उत्तरपत्रिका
1.	हिंदी-लोकवाणी (संयुक्त)	1	6	69
		2	10	76
		3	14	81
		4	18	86
		5	22	91
		बोर्ड कृतिपत्रिका : March 2022	26	96
2.	संस्कृत-आनन्दः (संयुक्तम्)	1	40	102
		2	45	109
		3	50	114
		4	54	119
		5	59	124
		बोर्ड कृतिपत्रिका : March 2022	63	128

Sample Content

हिंदी लोकवाणी (संयुक्त)

IMPORTANT INSTRUCTIONS TO FOLLOW:

- विद्यार्थी नए प्रश्न का उत्तर नए पृष्ठ पर ही लिखें।
- किसी भी कृति को ध्यान से पढ़कर उसका उत्तर लिखें।
- उत्तर लिखने से पहले प्रत्येक परिच्छेद/पद्यांश को कम-से-कम दो बार ध्यान से पढ़ें।
- सूचना के अनुसार आकलन व व्याकरण कृतियों के उत्तर आकृतियों में ही लिखें।
- आकृतियाँ बनाने व उत्तर लिखने के लिए पेन का ही उपयोग करें।
- वाक्यों को पूर्ण करना, पंक्तियाँ पूर्ण करना, मुहावरों का उपयोग करना जैसी कृतियों में पूरा वाक्य लिखकर आवश्यकतानुसार उत्तर को अधोरेखांकित करें।
- शुद्ध व स्पष्ट लेखन अपेक्षित है।
- जितना संभव हो गलतियाँ करने से बचें।

Sample Content

कृतिपत्रिका का प्रारूप (आराखड़ा)

Time: 2 Hours | **हिंदी लोकवाणी** | **Total Marks: 40**

विभाग 1 – गद्य — 12 अंक

प्र.1 (अ) पठित गद्यांश (100 से 120 शब्द) — **6 अंक**

प्र.1 (आ) पठित गद्यांश (100 से 120 शब्द) — **6 अंक**

1. आकलन कृति (**2** घटक, प्रत्येक के लिए **1** अंक **अथवा 4** घटक, प्रत्येक के लिए **1/2** अंक) — 2 अंक
2. शब्दसंपदा (**4** घटक, प्रत्येक के लिए **1/2** अंक) — 2 अंक
   (शब्दसंपदा कृति में अनेकार्थी शब्द, शब्दयुग्म, समानार्थी/पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, उपसर्ग, प्रत्यय, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, कठिन शब्दों के अर्थ, लिंग, वचन, कृदंत, तद्धित, तत्सम, तद्भव तथा विदेशी शब्द आदि पूछे जा सकते हैं।)
3. अभिव्यक्ति (**25** से **30** शब्दों में) — 2 अंक

विभाग 2 – पद्य — 8 अंक

सूचना – एक मध्ययुगीन और एक आधुनिक रचना का चयन आवश्यक है।

प्र.2 (अ) पठित पद्यांश (6 से 8 पंक्तियाँ) — **4 अंक**

प्र.2 (आ) पठित पद्यांश (6 से 8 पंक्तियाँ) — **4 अंक**

1. आकलन कृति (**2** घटक, प्रत्येक के लिए **1** अंक **अथवा 4** घटक, प्रत्येक के लिए **1/2** अंक) — 2 अंक
2. सरल अर्थ (**25** से **30** शब्दों में) — 2 अंक

विभाग 3 – भाषा अध्ययन (व्याकरण) — 8 अंक

प्र.3 सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

1. मानक वर्तनी के अनुसार शब्द लेखन (**2** घटक, **1/2** अंक) — 1 अंक
2. दो अव्यय शब्दों में से किसी एक का वाक्य में प्रयोग करना (**1** घटक के लिए **1** अंक) — 1 अंक
3. संधि (पहचानना, संधि विच्छेद करना, संधि शब्द बनाना) (**2** घटक, प्रत्येक के लिए **1/2** अंक) — 1 अंक
4. मुहावरे का चयन अथवा मुहावरे का अर्थ और वाक्य में प्रयोग करना (**1** घटक के लिए **1** अंक) — 1 अंक
5. काल के भेद — 2 अंक
   i. काल पहचानना (**1** घटक के लिए **1** अंक)
   ii. काल परिवर्तन दो में से एक वाक्य का (**1** घटक के लिए **1** अंक)
6. वाक्य के भेद — 2 अंक
   i. रचना के आधार पर वाक्य का भेद पहचानना (**1** घटक के लिए **1** अंक)
   ii. अर्थ के आधार पर वाक्य परिवर्तन करना (**1** घटक के लिए **1** अंक)

विभाग 5 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) — 12 अंक

प्र.4 सूचना के अनुसार लिखिए : — **12 अंक**

(अ) 1. पत्र-लेखन (औपचारिक/अनौपचारिक) (दो में से एक) (विकल्प अंक: **4**) — 4 अंक

2. कहानी-लेखन (मुद्दों के आधार पर) (**60** से **70** शब्दों में) (विकल्प अंक: **8**) — 4 अंक

अथवा

गद्य-आकलन (अपठित गद्यांश पर आधारित **4** प्रश्न तैयार करना) (गद्यांश **60** से **80** शब्दों का)

Sample Content

अथवा

विज्ञापन-लेखन (**50** से **60** शब्दों में)

प्र.4 (आ) निबंध-लेखन (दो में से किसी एक विषय पर **60** से **70** शब्दों में) (विकल्प अंक: **4**) 4 अंक

लोकवाणी अंक विभाजन			विकल्प अंक
विभाग	**घटक**	**अंक**	
1	गद्य	12	
2	पद्य	8	
3	भाषा अध्ययन (व्याकरण)	8	04
4	रचना विभाग (उपयोजित लेखन)	12	12
	कुल अंक	40	16

[महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ, पुणे - ०४]

Sample Content

कृतिपत्रिका प्रारूप का विस्तारित विवेचन

Time: 2 Hours **हिंदी लोकवाणी** **Total Marks: 40**

विभाग 1 – गद्य

12 अंक

प्र.1. (अ) निम्नलिखित पठित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

बोर्ड की कृतिपत्रिका में **प्र.1. (अ)** में **एक पठित** परिच्छेद **6 अंकों** के लिए पूछा जाएगा।

- पाठ्यपुस्तक से लगभग **100** से **120** शब्दों का परिच्छेद दिया जाएगा।
- परिच्छेद पर आधारित कुल तीन कृतियाँ पूछी जाएँगी।

1- आकलन कृति **2 अंक**

इसमें संजाल पूर्ण कीजिए, आकृति पूर्ण कीजिए, कृति कीजिए, प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए, जोड़ियाँ मिलाइए, रिश्ते पहचानकर लिखिए, एक शब्द में उत्तर लिखिए, परिणाम लिखिए, कारण लिखिए, गलत वाक्यों को सही करके लिखिए, घटनाओं को उनके उचित क्रम में लिखिए जैसी कृतियाँ पूछी जा सकती हैं।

2- शब्द संपदा **2 अंक**

इसमें अनेकार्थी शब्द, शब्दयुग्म, समानार्थी/पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, उपसर्ग, प्रत्यय, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, कठिन शब्दों के अर्थ, लिंग, वचन, विरामचिह्न, कृदंत, तद्धित, तत्सम, तद्भव तथा विदेशी शब्द आदि पर आधारित कृतियाँ पूछी जा सकती हैं। ये कृतियाँ परिच्छेद अथवा पिछली कक्षाओं में प्राप्त ज्ञान के आधार पर भी हो सकती हैं।

3- अभिव्यक्ति **2 अंक**

इसमें विद्यार्थी के आकलन व वैचारिक क्षमता पर आधारित एक कृति होगी। विद्यार्थी अपने व्यावहारिक जीवन अर्थात परिवेश, परिवार, समाज, विद्यालय, मित्र आदि के संपर्क में आकर जो ज्ञान प्राप्त करते हैं, उसी के आधार पर उन्हें इस कृति का उत्तर लिखना होगा। इसके अतिरिक्त दिए गए परिच्छेद का आशय, उसके संदर्भ में अपने विचार, उससे मिलने वाली सीख व वर्तमान में उसकी उपयोगिता इत्यादि के संदर्भ में भी कृति पूछी जा सकती है, जिसका उत्तर विद्यार्थी को अपनी बौद्धिक क्षमता के आधार पर लिखना होगा।

प्र.1. (आ) निम्नलिखित पठित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

ऊपर दिए गए मुद्दे इस परिच्छेद के लिए भी लागू होते हैं।

विभाग 2 – पद्य

8 अंक

प्र.2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

बोर्ड की कृतिपत्रिका में **प्र.2. (अ)** में **एक पठित** पद्यांश **4 अंकों** के लिए पूछा जाएगा ।

- पाठ्यपुस्तक से लगभग **6** से **8** पंक्तियों का एक पद्यांश दिया जाएगा।
- पद्यांश पर आधारित कुल दो कृतियाँ पूछी जाएँगी।

1- आकलन कृति **2 अंक**

इसमें संजाल पूर्ण कीजिए, आकृति पूर्ण कीजिए, कृति कीजिए, प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए, जोड़ियाँ मिलाइए, पंक्तियों का तात्पर्य लिखिए, एक शब्द में उत्तर लिखिए, परिणाम लिखिए, कारण लिखिए, गलत वाक्यों को सही करके लिखिए जैसी कृतियाँ पूछी जा सकती हैं।

2- सरल अर्थ **2 अंक**

पूछी गई पंक्तियों को पढ़कर उनका सरल अर्थ अपने शब्दों में लिखना होगा।

Sample Content

प्र.2. (आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

ऊपर दिए गए मुद्दे इस पद्यांश के लिए भी लागू होते हैं।

विभाग 3 – भाषा अध्ययन (व्याकरण)

8 अंक

प्र.3. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

बोर्ड की कृतिपत्रिका में **प्र.3.** व्याकरण की कृतियों पर आधारित होगा, जो **कुल 8 अंकों** के लिए पूछा जाएगा। यहाँ पाँचवीं कक्षा से नौवीं कक्षा तक के व्याकरण का भी समावेश किया जाएगा।

- व्याकरण पर आधारित यहाँ कुल 6 कृतियाँ पूछी जाएँगी, जिनके विवरण निम्नलिखित हैं:

1 - शब्द-शुद्धीकरण:- यहाँ मानक वर्तनी के नियमों के अनुसार **शुद्ध शब्द छाँटकर** लिखने होंगे। **1 अंक**

2 - अव्यय:- यहाँ अव्यय शब्द का **वाक्य में प्रयोग करना** होगा। (एक विकल्प होगा।) **1 अंक**

3 - संधि:- यहाँ **संधि शब्द बनाना**, **संधि विच्छेद करना** और उसका **भेद लिखना** होगा। (एक विकल्प होगा) **1 अंक**

4 - मुहावरे:- यहाँ मुहावरे का **अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग** अथवा **वाक्यांश में उचित मुहावरे का प्रयोग** करना होगा। (एक विकल्प होगा) **1 अंक**

5 - काल:- यहाँ **काल पहचानना** तथा निर्देश के अनुसार **काल परिवर्तन** करना होगा। (काल परिवर्तन में एक विकल्प होगा।) **2 अंक**

6 - वाक्य-भेद:- यहाँ **रचना के अनुसार** वाक्य का भेद लिखना होगा तथा **अर्थ के अनुसार** वाक्य का परिवर्तन करना होगा। **2 अंक**

विभाग 5 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन)

12 अंक

प्र.4. सूचना के अनुसार लिखिए:

(अ) 1. पत्र-लेखन: **(4)**

निम्नलिखित जानकारी का उपयोग कर पत्र लिखिए:

बोर्ड की कृतिपत्रिका में **प्र.4. (अ) 1.** के अंतर्गत एक कृति **कुल 4 अंकों** के लिए पूछी जाएगी।

पत्र-लेखन:- यहाँ औपचारिक तथा अनौपचारिक पत्र दिए जाएँगे। यहाँ दो में से एक पत्र विकल्प के रूप में होगा। पत्र नए नियमानुसार ई-मेल के प्रारूप में लिखना होगा। **4 अंक**

2. कहानी-लेखन: **(4)**

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 60 से 70 शब्दों में कहानी लिखकर उससे प्राप्त सीख लिखिए और उसे उचित शीर्षक भी दीजिए:

बोर्ड की कृतिपत्रिका में **प्र.4. (आ) 2.** के अंतर्गत **कुल 4 अंकों** के लिए दो कृतियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से केवल एक कृति का उत्तर लिखना होगा और एक कृति विकल्प होगी।

कहानी-लेखन:- यहाँ दिए गए मुद्दों के आधार पर 60 से 70 शब्दों में एक रोचक कहानी लिखकर उससे प्राप्त सीख लिखनी होगी और उसे उचित शीर्षक भी देना होगा। **4 अंक**

अथवा

Sample content

गद्य-आकलन (प्रश्न निर्मिति): **(4)**

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर उस पर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक-एक वाक्य में हों:

गद्य-आकलन (प्रश्न निर्मिति):- यहाँ 60 से 80 शब्दों का एक अपठित परिच्छेद दिया जाएगा। इसी के आधार पर चार ऐसे प्रश्न तैयार करने होंगे जिनके उत्तर परिच्छेद में एक-एक वाक्य में हों। **4 अंक**

विज्ञापन-लेखन: **(4)**

दी गए जानकारी के आधार पर एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए:

विज्ञापन-लेखन:- विज्ञापन के तीन प्रकार (वस्तु संबंधी/व्यक्ति संबंधी/स्थान संबंधी) बताए गए हैं। यहाँ दी गई जानकारी व सूचना के आधार पर 50 से 60 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार करना होगा। **4 अंक**

प्र. 4. (आ) निबंध-लेखन: **(4)**

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 60 से 70 शब्दों में निबंध लिखिए:

बोर्ड की कृतिपत्रिका में **प्र.4. (आ)** के अंतर्गत एक कृति **कुल 4 अंकों** के लिए पूछी जाएगी।

निबंध-लेखन:- निबंध के कुल पाँच प्रकार (आत्मकथनात्मक/वैचारिक/वर्णनात्मक/चरित्रात्मक/कल्पनाप्रधान) बताए गए हैं। इनमें से **दो प्रकार** के निबंध के विषय यहाँ दिए जाएँगे, जिनमें से **एक प्रकार** पर निबंध लिखना होगा और एक **विकल्प** होगा। निबंध कुल 60 से 70 शब्दों में लिखना होगा। **4 अंक**

Sample Content

नमूना कृतिपत्रिका - 1

Time: 2 Hours **हिंदी लोकवाणी** **Total Marks: 40**

विभाग 1 – गद्य

प्र.1. (अ) निम्नलिखित पठित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

आज शाम, वह बचपन के अपने कमरे में घुसा। लाइट ऑन की और कोने में रखे बक्से की ओर बढ़ गया। उसके बचपन का साथी-उसका प्यार, लकड़ी का बड़ा-सा बक्सा। वह जब भी यहाँ आता है, एक बार इस बक्से को जरूर खोलकर देखता है। सहज उत्सुकतावश उसने उसे खोला। छठी-सातवीं-आठवीं कक्षा के कोर्स की कुछ पुरानी किताबें, ज्योमेट्री बॉक्स, कीलवाले तलवों के फुटबॉल शूज, एन.सी.सी. की एक्स्ट्रा ड्रेस, पुराना फोटो एलबम... और भी जाने क्या-क्या। बार-बार देखने पर भी इन चीजों को देखने आने की इच्छा मरती नहीं है। तभी उसकी नजर एकाएक पॉलीथिन की एक थैली पर पड़ी। अरे, इसमें क्या है, अब से पहले तो इसपर नजर कभी पड़ी नहीं थी। उसने उसे उठाकर खोला। अंदर पीली पड़ चुकी कागज की छोटी-छोटी-सी पर्चियाँ मिलीं। वह एक-एक की इबारत को पढ़ने लगा– "बाबू जी, आज मेरे लिए जलेबी लेते आना...। बाबू जी, आज शाम को कंपास बॉक्स चाहिए...। बाबू जी, शाम को दो पेंसिल खरीद लाना...। बाबू जी... बाबू जी... बाबू जी...।" बचपन में बाबू जी से की गई फरमाइशों का पुलिंदा था वह।

1. संजाल पूर्ण कीजिए: **(2)**

बक्से में समाई वस्तुएँ

2. i. परिच्छेद में आए दो विदेशी शब्द खोजकर लिखिए: **(1)**

1. _____ 2. _____

ii. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए: **(1)**

1. संध्या 2. प्रेम

3. 'संयुक्त परिवार, सुखी परिवार', इस विषय पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए। **(2)**

प्र.1. (आ) निम्नलिखित पठित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

आदमी : महाराज की जय हो, महाराज आज-कल हवा में खुशबू नहीं होती। यह हर समय हमारे यहाँ बदबू फैलाती है। इसकी बदबू के कारण रहना मुश्किल हो गया है।

हवा : महाराज, यह आरोप झूठा है। बदबू के कारण तो मेरा जीना कठिन हो गया है। अपने-आपमें मेरे पास न तो खुशबू है न बदबू। पहले ऐसा नहीं होता था। आज-कल ये लोग मरे हुए पशु-पक्षियों को यहाँ-वहाँ डाल देते हैं। उनके कारण मैं बदबूवाली हो जाती हूँ। इनके कारखानों से निकली गंदगी और गैसें मुझमें घुल जाती हैं और यह बदबू दूर तक फैलती रहती है। मुझे याद है कि एक बार भोपाल के एक कारखाने से निकली जहरीली गैस मुझपर सवार होकर दूर-दूर तक फैल गई थी और कितने ही लोग रात में सोए हुए ही मौत के मुँह में चले गए थे। इन लोगों से कहिए कि ये गंदगी के ढेर न लगाएँ, सफाई रखें। कचरे से कंपोस्ट खाद बनाएँ।

आदमी : लेकिन तुम अचानक चलकर हमारी आँखों में मिट्टी डाल देती हो, सब कुछ तबाह कर देती हो, क्या इसका हमने तुम्हें न्योता दिया था?

Sample Content

1. ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हों: **(2)**

1. जहरीली गैस 2. हवा

2. i. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए: **(1)**

1. सरल 2. पास

ii. निम्नलिखित शब्दों से तद्धित बनाइए: **(1)**

1. बदबू 2. आरोप

3. 'हवा से ही जीवन है', इस पर अपने विचार लिखिए। **(2)**

विभाग 2 – पद्य

प्र.2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

मानते जी की हैं, सुनते हैं सदा सबकी कही,
जो मदद करते हैं अपनी इस जगत में आप ही,
भूलकर वे दूसरे का मुँह कभी तकते नहीं,
कौन ऐसा काम है वे कर जिसे सकते नहीं।

जो कभी अपने समय को यों बिताते हैं नहीं,
काम करने की जगह बातें बनाते हैं नहीं,
आज-कल करते हुए जो दिन गँवाते हैं नहीं,
यत्न करने में कभी जो जी चुराते हैं नहीं।

1. संजाल पूर्ण कीजिए: **(2)**

कर्मवीर नहीं करते

2. पद्यांश की प्रथम दो पंक्तियों का सरल अर्थ लिखिए। **(2)**

प्र.2. (आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

सोहत है चँदवा सिर मोर को, तैसिय सुंदर पाग कसी है।
वैसिय गोरज भाल बिराजत, जैसी हिये बनमाल लसी है।।
'रसखान' बिलोकत बौरी भई, दृग मूँदि कै ग्वालि पुकार हँसी है।
खोलि री घूँघट, खोलौं कहा, वह मूरति नैननि माँझ बसी है।।

सेस, गनेस, महेस, दिनेस, सुरेसहु जाहि निरंतर गावैं।
जाहि अनादि, अनंत, अखंड, अछेद, अभेद, सुबेद बतावैं।।
नारद से सुक व्यास रटें, पचिहारे तऊ पुनि पार न पावैं।।
ताहि अहीर की छोहरियाँ, छछिया भरि छाछ पै नाच नचावैं।।

1. संजाल पूर्ण कीजिए: **(2)**

वेदों में श्रीकृष्ण को कहा गया है

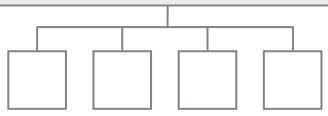

2. पद्यांश की अंतिम दो पंक्तियों का सरल अर्थ लिखिए। **(2)**

Sample Content

विभाग 3 – भाषा अध्ययन (व्याकरण)

प्र. 3. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

1. मानक वर्तनी के नियमों के अनुसार शुद्ध शब्द छाँटकर लिखिए: **(1)**

i. व्यक्तितत्व / व्यक्तित्व / व्यक्तीत्व / व्यक्तीत्त्व

ii. ऋतूएँ / रूतुएँ / रित्रुएँ / ऋतुएँ

2. निम्नलिखित में से किसी एक अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए: **(1)**

i. के कारण ii. तथा

3. कृति पूर्ण कीजिए: (दो में से कोई एक) **(1)**

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	भेद
उद्योग	_____	_____
_____	दु: + भाग्य	_____

4. अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए: **(1)**

(चौपट हो जाना, जी चुराना)

थोड़ी-सी सफलता मिल जाने के बाद लोग अक्सर मेहनत से <u>भागने लगते हैं</u>।

अथवा

निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर उचित वाक्य में प्रयोग कीजिए:

आगाह कर देना

5. i. निम्नलिखित वाक्य का कालभेद पहचानिए: **(1)**

लेखक रेल से यात्रा कर रहा था।

ii. निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का सूचनानुसार काल परिवर्तन कीजिए: **(1)**

1. वह गायब हो चुका था। (सामान्य भविष्य काल)
2. धोखा खा जाने वाला रईस इन्हें इनाम देता था। (अपूर्ण वर्तमान काल)

6. i. रचना के आधार पर वाक्य का भेद पहचानकर लिखिए: **(1)**

उसके रूप में कहीं कोई कसर नहीं थी और वह संसारत्यागी साधु ही लगता था।

ii. निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए: **(1)**

मौसम अच्छा बना रहा। (प्रश्नार्थक वाक्य)

विभाग 4 – उपयोजित लेखन

प्र.4. सूचना के अनुसार लिखिए:

(अ) 1. पत्र-लेखन: **(4)**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र तैयार कीजिए:

अशोक/आशा देशमुख, तुलसी बाग, दिल्ली।	← एक दिन की छुट्टी (अवकाश) के लिए विनती करते हुए पत्र लिखता/लिखती है। →	प्रधानाचार्य, पब्लिक स्कूल, नेहरू नगर, नई दिल्ली।

अथवा

अपने मित्र/सहेली को जिला दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त होने के उपलक्ष्य में बधाई देते हुए पत्र लिखिए।

Sample Content

2. कहानी-लेखन: **(4)**

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 60 से 70 शब्दों में कहानी लिखकर उससे मिलने वाली सीख लिखिए व उसे उचित शीर्षक भी दीजिए:

वृद्धाश्रम का माहौल .... एक वृद्ध का बाहर घूमना ... एक बँगले में काम ... मालिक की बेटी का उसकी देखभाल करना ... मृत्युशैया पर वृद्ध ... वृद्ध द्वारा बेटी को उपहार ... बेटी को आश्चर्य ...

अथवा

गद्य-आकलन (प्रश्न निर्मिति):

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक-एक वाक्य में हों:

बहुत पुरानी बात है। एक नदी में एक साधु स्नान कर रहे थे। उन्होंने देखा कि उसी नदी में एक बिच्छू डूब रहा है। साधु ने बिच्छू को नदी में से निकालने का प्रयास किया। जैसे ही साधु ने बिच्छू को उठाकर बाहर करने के लिए उसे हाथ लगाया, बिच्छू ने उन्हें डंक मार दिया। इससे साधु को बहुत पीड़ा हुई। इसके बाद भी साधु ने बिच्छू को बचाने का प्रयास किया, लेकिन जब-जब साधु बिच्छू को बचाने के लिए हाथ लगाता बिच्छू उन्हें डंक मार देता। इस तरह काफी देर तक साधु ने बिच्छू को बचाने का प्रयास किया और अंततः वे सफल हो गए। साधु जब नदी से बाहर निकले तो एक व्यक्ति जो काफी देर से साधु व बिच्छू को देख रहा था उसने पूछा, "प्रभु जब बिच्छू बार-बार आपको डंक मार रहा था, तो आप उसे बचाने के लिए क्यों इतना प्रयास कर रहे थे? इस प्रयास में आपको बिच्छू के डंक की असहनीय पीड़ा भी सहनी पड़ी।" तब साधु ने कहा, "बिच्छू का कर्म काटना है। वह अपना कर्तव्य कर रहा था। जब बिच्छू जैसा छोटा व नासमझ जीव अपना कर्म करने से पीछे नहीं हट रहा था तो मैं तो इंसान हूँ, मैं अपना कर्म कैसे भुलाता। अतः मैंने उसे बचाकर अपना कर्म किया और उसने मुझे डंक मारकर अपना।" साधु की बात सुनकर व्यक्ति ने उनके चरणों में शीश झुका दिया।

प्र.4. (आ) निबंध-लेखन: **(4)**

किसी एक विषय पर लगभग 60 से 70 शब्दों में निबंध लिखिए:

१. फटी पुस्तक की आत्मकथा 2. मेरा प्रिय खिलाड़ी

Sample Content

Page no. **10** to **25** are purposely left blank.

To see complete chapter buy **Target Notes** or **Target E-Notes**

Sample Content

बोर्ड कृतिपत्रिका: मार्च 2022

Time: 2 Hours **हिंदी लोकवाणी** **Total Marks: 40**

सूचनाएँ:

1. सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
2. सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।
3. रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
4. शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य

1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

साँझ हो चली थी, डिब्बे की बत्तियाँ जलने लगी थीं, लोगों ने अपने-अपने होल्डॉल बिछाने शुरू कर दिए। मैंने भी थककर चूर हो जाने के कारण सिरदर्द की एक गोली खाई और लेटना चाहा।

सहयात्री ने देखा तो पूछा – "क्या आपको सिरदर्द हो रहा है?"

मैंने कहा - "जी हाँ।"

बोले – "आप ऐसी-वैसी गोलियाँ क्यों खाते हैं, इससे रिएक्शन हो सकता है। फिर पूछा – "कल क्या खाया था। रास्ते में कहीं पूरी-कचौड़ी तो नहीं खा ली? अरे! ये रेलवे के ठेकेदार कल की बासी पूरी-कचौड़ी को उबलती कड़ाही में डालकर ताजा के नाम पर बेचते हैं। कहेंगे हाथ लगाकर देख लो, गरम है कि नहीं। उन्हें तो अपनी जेब गरम करनी है।"

"मैं तो घर से पराँठे लेकर चलता हूँ। रास्ते में कोई और पराँठेवाला मिल जाता है तो दो और दो-चार मिलाकर खाने में मजा आ जाता है।"

मैंने कहा – "मेरे परिवार में सभी के सिर हैं, अतएव सबको सिरदर्द होना स्वाभाविक है।"

1. उत्तर लिखिए:

i. **[1]**

गद्यांश में प्रयुक्त शरीर के अंग

[ ] [ ]

ii. **[1]**

गद्यांश में आए व्यंजन

[ ] [ ]

2. i. गद्यांश में आए अंग्रेजी शब्द ढूँढ़कर लिखिए: **[1]**

1. 2.

ii. निम्नलिखित शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए: **[1]**

रास्ता = 1. _____ 2. _____

3. "रेल यात्रा पर जाने से पहले आरक्षण की आवश्यकता है" इस संदर्भ में 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

Sample Content

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

एक बार एक बहुरूपिये ने साधु का रूप बनाया–सिर पर जटाएँ, नंगे शरीर पर भस्म, माथे पर त्रिपुंड, कमर में लँगोटी। उसके रूप में कहीं कोई कसर नहीं थी और वह संसारत्यागी साधु ही लगता था। उसने नगर से बाहर बड़े-से पेड़ के नीचे अपनी झोंपड़ी तैयार की, बगीचा लगाया और बैठकर तपस्या करने लगा। धीरे-धीरे सारे नगर में यह समाचार फैलने लगा कि बाहर एक बहुत पहुँचे हुए महात्मा ने आकर डेरा लगाया है। लोग उसके दर्शनों को आने लगे और धीरे-धीरे चारों तरफ साधु का यश फैल गया। सारे दिन उसके यहाँ भीड़ लगी रहती थी। लोग कहते थे कि महात्मा जी के उपदेशों में जादू है और उनके आशीर्वाद से संसार के बड़े से बड़े कष्ट दूर हो जाते हैं। अपनी इस कीर्ति से साधु को कभी-कभी बड़ा आश्चर्य होता और मन-ही-मन वह अपनी सफलता पर मुसकराया करता।

उत्तर लिखिए:

1. बहुरूपिये का साधु रूप ऐसा था: **[2]**
   i. माथे पर _____
   ii. सिर पर _____
   iii. नंगे शरीर पर _____
   iv. कमर में _____

2. i. निम्नलिखित शब्दों के विलोमार्थक शब्द गद्यांश में से ढूँढ़कर लिखिए : **[1]**
   1. महल × 2. असफलता ×

   ii. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए : **[1]**
   1. डेरा × 2. लँगोटी ×

3. 'हमें अपने व्यवसाय के प्रति ईमानदार होना चाहिए' 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

विभाग 2 – पद्य

2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

सोंधी-सोंधी-सी सुगंध, माटी से बोली,
बादल बरस गया, धरती ने आँखें खोलीं।
चारों ओर हुई हरियाली कहे मयूरा,
सदियों का जो सपना है हो जाए पूरा।
एक यहाँ पर नहीं अकेला, होगी टोली,
सोंधी-सोंधी-सी सुगंध, माटी से बोली।।
बाग-बगीचे, ताल-तलैया सब मुस्काएँ,
झूम-झूमकर मस्ती में तरु गीत सुनाएँ।
मस्त पवन ने अब खोली है अपनी झोली,
सोंधी-सोंधी-सी सुगंध, माटी से बोली।।

1. संजाल पूर्ण कीजिए: **[2]**

	बादलों के बरसने से आए परिवर्तन	

2. पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **[2]**

Sample Content

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

धूरि भरे अति सोहत स्याम जू, तैसी बनी सिर सुंदर चोटी।
खेलत खात फिरैं अँगना, पग पैंजनि बाजति, पीरी कछोटी।।
वा छबि के 'रसखान' बिलोकत, वारत काम कला निधि कोटी।
काग के भाग कहा कहिए, हरि हाथ सों लै गयो माखन रोटी।।
सोहत है चँदवा सिर मोर को, तैसिय सुंदर पाग कसी है।
वैसिय गोरज भाल बिराजत, जैसी हिये बनमाल लसी है।।
'रसखान' बिलोकत बौरी भई, दृग मूँदि कै ग्वालि पुकार हँसी है।
खोलि री घूँघट, खोलौं कहा, वह मूरति नैननि माँझ बसी है।।

1. आकृति में लिखिए: **[1]**

i. पद्यांश में प्रयुक्त पंछियों के नाम

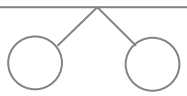

ii. कृष्ण ने पहने हैं _____ **[1]**

1. पग में = 2. सुंदर कसी हुई =

2. पद्यांश की प्रथम दो पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **[2]**

विभाग 3 – भाषा अध्ययन (व्याकरण)

3. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[8]**

1. मानक वर्तनी के अनुसार सही शब्द छाँटकर लिखिए: **[1]**

i. सुरक्शित, सुरक्षित, सूरक्षित, सुरक्षीत _____ ii. मन्त्रमुग्ध, मंत्रमुग्ध, मँत्रमुग्ध, मंत्रमुगद्ध _____

2. निम्नलिखित अव्ययों में से किसी **एक** अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए: **[1]**

i. अथवा ii. आह!

3. कृति पूर्ण कीजिए: **[1]**

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
हिमालय	_____	_____
	अथवा	
_____	आशी: + वाद	_____

4. अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए: **[1]**
(अंक में भरना, पिंड छुड़ाना)
भवन की तत्कालीन स्वामिनी ने मुझे <u>गले लगाया</u>।

अथवा

निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर उचित वाक्य में प्रयोग कीजिए:
मौत के मुँह में चले जाना –

5. कालभेद पहचानना तथा काल परिवर्तन करना: **[2]**

i. निम्नलिखित वाक्य का कालभेद पहचानिए:
कहाँ तक चल रहे हैं?

Sample Content

ii. निम्नलिखित वाक्यों में से किसी **एक** वाक्य का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए:

1. वे पास के कमरे में बैठे हैं। (सामान्य भविष्य काल)
2. मुझे अभिवादन का ध्यान आया। (पूर्ण भूत काल)

6. वाक्य के भेद तथा वाक्य परिवर्तन: **[2]**

i. निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए:
वह आदमी पागल नहीं हो सकता।

ii. निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए:
इसका हमने तुम्हें न्योता दिया था। (प्रश्नार्थक वाक्य)

विभाग 4 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन)

सूचना – आवश्यकतानुसार परिच्छेदों में लेखन अपेक्षित है।

4. सूचनाओं के अनुसार लिखिए: **[12]**

(अ) 1. पत्रलेखन: **[4]**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए:
कोपरी रहिवासी संघ, ए-111, कोपरी, विलास भवन, ठाणे (पश्चिम) मंडल आयुक्त, जोन-3, महानगरपालिका, कोपरी, ठाणे (पश्चिम) को क्षेत्र में फैली गंदगी के संबंध में शिकायत-पत्र लिखते हैं।

अथवा

औरंगाबाद में रहने वाला/वाली सोहम शर्मा/सीमा शर्मा अपना/अपनी मित्र/सहेली मोहन/मोहिनी पांडे को 'व्यायाम का महत्त्व' समझाते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

2. कहानी लेखन: **[4]**

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर **60** से **70** शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए:
एक मजदूर – दिन भर श्रम करना – बनिया की दुकान से रोज चावल खरीदना – बनिया द्वारा बचत की सलाह – मजदूर की उपेक्षा करना – बनिया द्वारा मजदूर के चावलों में से थोड़ा-थोड़ा चावल अलग करना – पंद्रह दिन बाद मजदूर के हाथ में दो किलो चावल – मजदूर आश्चर्यचकित – बनिया का बचत की बात बताना – मजदूर को बचत का महत्त्व समझना – सीख।

अथवा

गद्य आकलन – प्रश्न निर्मिति:
विख्यात गणितज्ञ सी.वी. रमण ने छात्रावस्था में ही विज्ञान के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का सिक्का देश में ही नहीं विदेशों में भी जमा लिया था।
रमण का एक साथी छात्र ध्वनि के संबंध में कुछ प्रयोग कर रहा था। उसे कुछ कठिनाइयाँ प्रतीत हुईं, संदेह हुए। वह अपने अध्यापक जोन्स साहब के पास गया परंतु वह भी उसका संदेह निवारण न कर सके। रमण को पता चला तो उन्होंने उस समस्या का अध्ययन-मनन किया और इस संबंध में उस समय के प्रसिद्ध लॉर्ड रेले के निबंध पढ़े और उस समस्या का एक नया ही हल खोज निकाला। यह हल पहले हल से सरल और अच्छा था। लॉर्ड रेले को इस बात का पता चला तो उन्होंने रमण की प्रतिभा की भूरि-भूरि प्रशंसा की। अध्यापक जोन्स भी प्रसन्न हुए और उन्होंने रमण से इस प्रयोग के संबंध में लेख लिखने को कहा। रमण ने लेख लिखकर श्री जोन्स को दिया, पर जोन्स उसे जल्दी लौटा न सके। कारण संभवत: यह था कि वह उसे पूरी तरह आत्मसात न कर सके।

(आ) निबंध लेखन: **[4]**

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर **60** से **70** शब्दों में निबंध लिखिए:

1. मेरा प्रिय नेता
2. मोबाइल की उपयोगिता।

Sample Content

Page no. **30** to **68** are purposely left blank.

To see complete chapter buy **Target Notes** or **Target E-Notes**

Sample Content

नमूना उत्तरपत्रिका - 1

हिंदी लोकवाणी

प्र.1. (अ)

विभाग 1 – गद्य

1.

बक्से में समाई वस्तुएँ

- **ज्योमेट्री बॉक्स**
- **कीलवाले तलवों के फुटबॉल शूज**
- **एन. सी. सी. की एक्स्ट्रा ड्रेस**
- **पुराना फोटो एलबम**

[कुल 2 अंकों के लिए 4 घटक, प्रत्येक घटक के लिए 1/2 अंक]

(**ध्यान दें -** संजाल का उत्तर दिए गए परिच्छेद में से ही ढूँढ़कर लिखना है।)

2. i. 1. लाइट 2. फुटबॉल

[कुल 1 अंक के लिए 2 घटक, प्रत्येक घटक के लिए 1/2 अंक]

ii. 1. शाम 2. प्यार

[कुल 1 अंक के लिए 2 घटक, प्रत्येक घटक के लिए 1/2 अंक]

3. वर्तमान समय में विशेषकर शहरों में एकल परिवार अर्थात छोटे परिवार दिखाई देता है किंतु गाँवों में अब भी संयुक्त परिवार देखने को मिलता है। संयुक्त परिवार में यदि खर्च ज्यादा है, तो कमाई भी अधिक है। यदि संयुक्त परिवार में सदस्यों की संख्या ज्यादा होती है, तो उनकी आर्थिक, शारीरिक, सामाजिक शक्ति भी बढ़ जाती है। संयुक्त परिवार का सबसे बड़ा लाभ यह है कि परिवार पर आने वाले संकटों का मुकाबला सभी मिलकर करते हैं। संयुक्त परिवार, सुखी परिवार का आधार होता है, क्योंकि परिवार के सभी सदस्य दुख-सुख में हमेशा एक-दूसरे के साथ रहते हैं। घर के प्रत्येक सदस्य को परिवार के बुजुर्गों से सही मार्गदर्शन मिलता है और परिवार का विकास होता है।

[कुल 2 अंकों के लिए 1 घटक]

(**ध्यान दें -** इस तरह की कृतियों को पहले ध्यान से पढ़ें और समझें उसके बाद ही अपने शब्दों में आठ से दस वाक्यों में उत्तर लिखें। सुनिश्चित करें कि उत्तर सकारात्मक हों। इस कृति का उत्तर विद्यार्थी को अपने व्यावहारिक ज्ञान के आधार पर लिखना होगा।)

1. 1. भोपाल के एक कारखाने से क्या निकली थी ?
2. आदमी के अनुसार कौन अचानक उसकी आँख में मिट्टी डाल देती है ?

[कुल 2 अंकों के लिए 2 घटक, प्रत्येक घटक के लिए 1 अंक]

(**ध्यान दें -** इनका उत्तर दिए गए परिच्छेद में से ही ढूँढ़कर लिखना है। बनाए गए प्रश्न एकदम सटीक होने चाहिए।)

2. i. 1. कठिन 2. दूर

[कुल 1 अंक के लिए 2 घटक, प्रत्येक घटक के लिए 1/2 अंक]

ii. 1. बदबूदार 2. आरोपी

[कुल 1 अंक के लिए 2 घटक, प्रत्येक घटक के लिए 1/2 अंक]

Sample Content

3. मनुष्य को जीने के लिए रोटी, कपड़ा और मकान की आवश्यकता होती है, लेकिन हवा के बिना वह नहीं रह सकता। भूख और प्यास मिटाने का सवाल तो बाद में खड़ा होगा, किंतु यदि हवा ही नहीं रही तो प्राण कैसे बचेंगे? हवा वह अमूल्य प्राकृतिक संसाधन है, जिसे मनुष्य किसी खेत में नहीं उगा सकता, न ही कारखाने में बना सकता है। हालाँकि इसे शुद्ध रखने में मनुष्य व अन्य जीव महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। मानवजाति की कुछ गलतियों के कारण हवा भी प्रदूषित होती जा रही है। यदि हवा पूरी तरह दूषित हो गई तो धरती से जीवन समाप्त हो जाएगा। जिसे रोकना हमारी सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसी कारण ऐसा कहा जाता है कि हवा से ही जीवन है।

[कुल 2 अंकों के लिए 1 घटक]

(**ध्यान दें -** इस तरह की कृतियों को पहले ध्यान से पढ़ें और समझें उसके बाद ही अपने शब्दों में आठ से दस वाक्यों में उत्तर लिखें। सुनिश्चित करें कि उत्तर सकारात्मक हों। इस कृति का उत्तर विद्यार्थी को अपने व्यावहारिक ज्ञान के आधार पर लिखना होगा।)

प्र.2. (अ)

विभाग 2 – पद्य

1. कर्मवीर नहीं करते

- **अपना समय व्यर्थ नहीं गँवाते।**
- **कार्य करते समय बहाने नहीं बनाते।**
- **कार्य को कल पर नहीं टालते।**
- **मेहनत करने से जी नहीं चुराते।**

[कुल 2 अंकों के लिए 4 घटक, प्रत्येक घटक के लिए 1/2 अंक]

(**ध्यान दें -** संजाल का उत्तर दिए गए पद्यांश में से ही ढूँढ़कर लिखना है।)

2. इन पंक्तियों में कवि ने यह कहा है कि वीर हमेशा सबकी सुनते हैं अर्थात वे जीवन के रास्तों पर हर अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेते हैं, किंतु अपनी बुद्धि व विवेक का उपयोग करने के बाद ही वे उन रास्तों पर कदम बढ़ाते हैं। इस संसार में वीर अपनी मदद स्वयं करते हैं। वे भूलकर भी कभी दूसरों से मदद की उमीद नहीं करते हैं।

[यहाँ कुल 2 अंकों के लिए 1 घटक]

(**ध्यान दें -** पूछी गई पंक्तियों को ध्यान से पढ़ें और उन्हें समझकर उनका सरल अर्थ अपने शब्दों में स्पष्ट रूप से लिखें।)

प्र.2. (आ)

1. वेदों में श्रीकृष्ण को कहा गया है

- **अनादि**
- **अनंत**
- **अखंड**
- **अछेद**

[कुल 2 अंकों के लिए 4 घटक, प्रत्येक घटक के लिए 1/2 अंक]

(**ध्यान दें -** संजाल का उत्तर दिए गए पद्यांश में से ही ढूँढ़कर लिखना है।)

Sample Content

2. कवि कहते हैं कि नारद से लेकर शुकदेव व व्यास जैसे ऋषि भी जिनका निरंतर नाम जपते रहते हैं फिर भी उनकी लीला समझ नहीं पाते हैं। ऐसे प्रभु श्रीकृष्ण को अहीर की लड़कियाँ थोड़े-से छाछ के लिए नाच नचाती हैं।

[कुल 2 अंकों के लिए 1 घटक]

(**ध्यान दें -** पूछी गई पंक्तियों को ध्यान से पढ़ें और उन्हें समझकर उनका सरल अर्थ अपने शब्दों में स्पष्ट रूप से लिखें।)

प्र.3. (अ)

विभाग 3 – भाषा अध्ययन (व्याकरण)

1. i. व्यक्तित्व ii. ऋतुएँ

[1 अंक के लिए 2 घटक, प्रत्येक घटक के लिए 1/2 अंक]

(**ध्यान दें -** यहाँ दिए गए शब्दों को ध्यान से पढ़ें और मानक वर्तनी के नियमानुसार शुद्ध शब्द छाँटकर लिखें।)

2. i. दर्द के कारण कुत्ता चिल्ला रहा था।

ii. राजू घर में रहेगा तथा सागर दफ्तर जाएगा।

(दो में से कोई एक)[1 अंक के लिए 1 घटक]

(**ध्यान दें -** दिए गए अव्यय शब्द को ध्यान से पढ़कर उससे एक सार्थक वाक्य तैयार करें और शब्द को अधोरेखांकित करें।)

3.

संधि शब्द	संधि विच्छेद	भेद
उद्योग	उत् + योग	व्यंजन संधि
दुर्भाग्य	दु: + भाग्य	विसर्ग संधि

(दो में से कोई एक) [1 अंक के लिए 2 घटक, प्रत्येक घटक के लिए 1/2 अंक]

(**ध्यान दें -** दिए गए निर्देशों को ध्यान में रखते हुए शब्द की संधि व शब्द का विच्छेद कर उसका भेद लिखें। उत्तर को आवश्यकतानुसार आकृति में लिखते हुए उसे अधोरेखांकित भी करें।)

4. थोड़ी-सी सफलता मिल जाने के बाद लोग अक्सर मेहनत से जी चुराने लगते हैं।

अथवा

आगाह कर देना – सचेत करना।

वाक्य : मौसम विभाग ने लोगों को तूफानी बारिश आने से पहले आगाह कर दिया।

(दो में से कोई एक) [1 अंक के लिए 2 घटक, प्रत्येक घटक के लिए 1/2 अंक]

(**ध्यान दें -** वाक्य को ध्यान से पढ़ें और दिए गए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य को पुन: लिखें अथवा मुहावरे का अर्थ लिखकर उसका उचित वाक्य में प्रयोग कीजिए। वाक्य में आए मुहावरे को अधोरेखांकित करें।)

Sample Content

5. **i.** अपूर्ण भूत काल

[1 अंक के लिए 1 घटक]

(**ध्यान दें -** दिए गए वाक्य का कालभेद पहचानकर लिखें।)

ii. 1. वह गायब हो जाएगा।

2. धोखा खा जाने वाला रईस इन्हें इनाम दे रहा है।

(दो में से कोई एक) **[1 अंक के लिए 1 घटक]**

(**ध्यान दें -** दिए गए वाक्य का सूचनानुसार काल परिवर्तन करें।)

6. **i.** संयुक्त वाक्य **[1 अंक के लिए 1 घटक]**

ii. क्या मौसम अच्छा बना रहा ? **[1 अंक के लिए 1 घटक]**

प्र.4. (अ)

विभाग 4 – उपयोजित लेखन

1. 4 जनवरी, 2022

सेवा में,
प्रधानाचार्य महोदय,
पब्लिक स्कूल,
नेहरू नगर,
नई दिल्ली।
publicschool@xyz.com

विषय : एक दिन के अवकाश के लिए प्रार्थना-पत्र।

श्रीमान जी,

कल अचानक मेरा स्वास्थ्य खराब हो गया। स्कूल से लौटते ही मुझे जोर का सिर दर्द हुआ, जिससे मैं बेचैन हो उठा। डॉक्टर के उपचार के बाद मुझे आराम मिला, परंतु रात के समय बुखार हो गया था। मुझे अब काफी शारीरिक कमजोरी अनुभव हो रही है। मैं स्कूल आने की स्थिति में नहीं हूँ। डॉक्टर ने भी मुझे आज आराम करने की सलाह दी है।

कृपया मुझे एक दिन का अवकाश प्रदान करने की कृपा करें।
धन्यवाद !

आपका आज्ञाकारी शिष्य,
अशोक

अशोक देशमुख,
कक्षा : दसवीं (ब),
क्रमांक : 54,
तुलसी बाग,
दिल्ली।
ashok@xyz.com

Sample Content

अथवा

1 मार्च, 2022
sarvesh@xyz.com

प्रिय सर्वेश,
हस्तमिलन।

मैं स्वस्थ व सकुशल हूँ और आशा करता हूँ कि तुम भी प्रसन्न व कुशल होगे। आज के 'परीक्षा' अखबार से यह जानकर गर्व से सीना फूल गया कि तुम्हें जिला दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। पुरस्कार प्राप्त कर तुमने न केवल अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है, बल्कि अपने परिवार, समाज व मुंबई जिला का भी मान बढ़ाया है।

आज मुझे तुम्हारा मित्र होने पर सचमुच बहुत गर्व हो रहा है। तुम इसी तरह प्रगति करते रहो यही मेरी कामना है। मेरी शुभकामनाएँ तुम्हारे साथ हैं।
चाचा जी और चाची जी को मेरा प्रणाम और साक्षी को सस्नेह प्यार।
तुम्हारा मित्र,
कुशल

कुशल प्राण,
काले गाँव,
मुंबई।
kushal@xyz.com

[यह कृति कुल 4 अंकों के लिए]

(**ध्यान दें -** दो पत्रों में से किसी एक का चयन कर दिए गए विषय पर पत्र लिखें। नए नियमानुसार पत्र ई-मेल के प्रारूप में लिखें। पत्र में दिनांक, प्राप्त करनेवाले का पता, ई-मेल आईडी, अभिवादन, विषय व संदर्भ के लिए १ अंक, विषय विवेचन के लिए २ अंक और लिखनेवाले का हस्ताक्षर, पता व ई-मेल आईडी के लिए १ अंक दिया जाएगा।)

2. **बेटी की चाह**

बुजुर्ग रामनाथ शहर के वृद्धाश्रम में रहते थे। वहाँ के माहौल से उकता गए थे, इसलिए वे अपना ज्यादातर समय घूमने-फिरने में ही बिताते थे। एक दिन उन्होंने अपनी पहचान छुपाकर वृद्धाश्रम से दूर एक बँगले में माली की नौकरी कर ली। उनका सहज, सरल स्वभाव और ईमानदारी देखकर बँगलेवालों ने कुछ ही दिनों में उन्हें घर के सदस्य जैसा बना लिया। सेठ की बेटी रागिनी तो रामनाथ को अपने पिता जैसा प्यार और सम्मान देने लगी। वह रामनाथ को कपड़े, पैसे, मिठाइयाँ और खाने-पीने की बहुत सारी चीजें इतने प्यार से देती थी कि वह मना नहीं कर पाते थे और उन्हें वृद्धाश्रम में जाकर बाँट देते थे।

अचानक कुछ ऐसा हुआ कि कुछ दिनों तक रामनाथ बँगले पर काम करने नहीं जा पाए। रागिनी को रामनाथ की बड़ी चिंता हुई और वह उन्हें ढूँढ़ते-ढूँढ़ते वृद्धाश्रम जा पहुँची। वहाँ उसने देखा कि रामनाथ मृत्युशैय्या पर पड़े आखिरी साँसें गिन रहे थे। रागिनी को देखकर उनकी आँखें थोड़ी देर को चमकीं। मूक रहकर ही उन्होंने तकिए के नीचे से एक डिब्बा निकाला, रागिनी के हाथों में थमाया और आखिरी हिचकी ले ली। रागिनी ने जब डिब्बा खोला तो उसमें चमचमाता हुआ हीरों का बड़ा-सा हार था, जिस पर लिखा था – 'बेटी रागिनी के लिए उपहार।'

Sample Content

वृद्धाश्रम के प्रबंधक ने रागिनी को बताया कि रामनाथ के चारों बेटे विदेश में रहते हैं। वे पैसे तो भेजते थे, लेकिन मिलने कभी नहीं आते थे। रामनाथ अक्सर कहा करते थे कि काश! उनकी एक बेटी भी होती।" सारी बातें सुनकर रागिनी की आँखों से आँसू छलकने लगे।

सीख : माता-पिता एवं बुजुर्गों की सेवा करनी चाहिए।

[यह कृति कुल 4 अंकों के लिए]

(**ध्यान दें -** दिए गए मुद्दों को ध्यान में रखते हुए कहानी तैयार करें। प्रत्येक मुद्दे का उपयोग क्रमानुसार कहानी में करते हुए उसका विस्तार करें। कहानी को परिच्छेदों में विभाजित करें। कहानी में आवश्यकतानुसार कहावतों व मुहावरों का भी प्रयोग करें। विरामचिह्नों का ध्यान दें। कहानी का शीर्षक और उससे मिली सीख भी लिखें।)

अथवा

1. नदी में कौन स्नान कर रहा था?
2. साधु ने नदी में से किसे निकालने का प्रयास किया?
3. कौन अपना कर्म करने से पीछे नहीं हट रहा था?
4. साधु की बात सुनकर व्यक्ति ने क्या किया?

[4 अंकों के लिए 4 घटक, प्रत्येक घटक के लिए 1 अंक]

(**ध्यान दें -** दिए गए परिच्छेद को ध्यान से पढ़ें और उस पर चार प्रश्न तैयार करें। सुनिश्चित करें कि प्रत्येक प्रश्न का उत्तर परिच्छेद में एक वाक्य में ही हो।)

प्र.4. (आ) **1.**

फटी पुस्तक की आत्मकथा

सुनिए... हाँ, मैं बोल रही हूँ ! ...एक फटी पुस्तक। आज मैं आपको अपनी अब तक की जीवनगाथा सुनाना चाहती हूँ। मैं बहुत प्रसन्न व भाग्यशाली हूँ कि आपने मेरा महत्त्व समझा और मुझे इस रद्दी की दुकान से उठाकर अपने छोटे-से ग्रंथालय में स्थान दिया। मेरी रचना एक बहुत ही बड़े विद्वान साहित्यकार ने की थी। मैं शुरुआती दौर में कुछ बिखरे हुए फटे-पुराने पन्नों का एक संग्रह थी। एक दिन उस विद्वान के एक प्रकाशक मित्र ने मुझे छापने का निवेदन किया। विद्वान भी तैयार हो गया। कुछ ही दिनों में मेरी छपाई शुरू हुई और मुझे एक सुंदर पुस्तक का रूप प्राप्त हुआ।

एक पुस्तक विक्रेता के यहाँ मैं अपनी तकरीबन सैकड़ों प्रतियों के साथ पहुँची। देखते-ही-देखते तीन-चार महीनों में मेरी सारी प्रतियाँ खत्म हो गईं और अंत में एक दिन मुझे लेने भी एक पाठक पहुँचा। उसने मुझे खरीदा और अपने घर ले गया। वह हमेशा मुझे अपने सीने से लगाए रखता था।

आज भी मुझे याद है वह काली रात जब मेरा मालिक मुझे लेकर एक टैक्सी में बैठा और अपने मित्र के घर की ओर निकल पड़ा। वहाँ पहुँचकर मुझे बहुत खुशी हुई, क्योंकि मेरे मालिक का मित्र भी मेरे कुछ पन्ने पढ़कर मेरी तारीफ के पुल बाँध रहा था। थोड़ी देर बाद मेरे मालिक ने विदा ली। वह बाहर आकर टैक्सी का इंतजार कर रहा था कि अचानक जोरदार बारिश शुरू हो गई, हालाँकि जल्द ही टैक्सी मिल भी गई, लेकिन मैं और मेरे मालिक दोनों इस बेमौसम बरसात में भीग चुके थे। मेरे मालिक ने टैक्सी की सीट पर कुछ पन्ने खोलकर मुझे सूखने के लिए छोड़ दिया।

कुछ समय में घर आया। बारिश लगातार जारी थी। मालिक जल्दबाजी में मुझे वहीं सीट पर भूलकर चले गए। टैक्सी चालक भी अपने घर पहुँच गया। उसने जब पीछे की सीट पर देखा, तो मैं भीगी-भीगी-सी शक्ल लिए वहीं पड़ी थी। उसने कुछ सोचा और मुझे उठाकर अपने घर लाया और रद्दी कागजों के ढेर में पटक दिया। कुछ दिनों तक मैं वहीं पड़ी रही। फिर एक दिन वह कुछ और कागजों, पुराने अखबारों, किताबों आदि के साथ मुझे रद्दी की दुकान पर बेच आया।

Sample Content

कई दिनों तक मैं उस दुकान में पड़ी अपनी किस्मत को कोस रही थी। अचानक एक दिन आपकी निगाहों ने मेरा महत्त्व समझा और मुझे आपने एक नया जीवन दिया। समाज में ज्ञान का प्रचार-प्रसार करना ही मेरे जीवन का उद्देश्य है और एक बार फिर मुझे यह मौका देने के लिए आपका धन्यवाद!

अथवा

2. **मेरा प्रिय खिलाड़ी**

मेरे प्रिय खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर हैं। सचिन का जन्म 24 अप्रैल, 1973 को मुंबई में हुआ। सचिन तेंदुलकर ने मात्र 16 वर्ष की आयु में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। उसके बाद बल्लेबाजी में उन्होंने कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट व एक दिवसीय क्रिकेट दोनों में सर्वाधिक शतक बनाए हैं। सचिन मेरे प्रिय खिलाड़ी इसलिए हैं, क्योंकि इतना सफल होने के बावजूद उनमें अहंकार की भावना दूर-दूर तक नजर नहीं आती।

विश्वकप-2003 में सबसे अधिक रन बनाकर वे किसी भी विश्वकप में ऐसा करने वाले विश्व के प्रथम बल्लेबाज बने। उस विश्वकप में उन्हें 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का पुरस्कार भी दिया गया। ट्वेंटी-ट्वेंटी क्रिकेट से उन्होंने अक्टूबर 2012 में संन्यास ले लिया और दिसंबर 2012 में एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। 16 नवंबर, 2013 में उन्होंने अपना आखिरी मैच खेला।

उन्हें कई पुरस्कारों से सम्मानित भी किया गया है। सचिन तेंदुलकर क्रिकेट जगत के सबसे प्रसिद्ध एवं शानदार खिलाड़ी हैं। मेरे ही जैसे विश्वभर में उनके अनेक प्रशंसक हैं। हम सभी उन्हें प्यार से भिन्न-भिन्न नामों से पुकारते हैं, जिनमें सबसे प्रचलित लिटिल मास्टर व मास्टर ब्लास्टर है। अपने अच्छे व्यवहार के लिए वे मुझ जैसे युवाओं के आदर्श बन गए हैं।

क्रिकेट जगत में अपनी अतुलनीय बल्लेबाजी द्वारा सचिन एक महान बल्लेबाज के रूप में जाने जाते हैं। अपने शानदार खेल द्वारा उन्होंने हमेशा हमारे देश को गौरवान्वित किया है। मैं भी नित्य क्रिकेट का अभ्यास करता हूँ और एक दिन सचिन तेंदुलकर की तरह एक बेहतरीन खिलाड़ी बनकर अपने देश, समाज व माता-पिता का नाम रोशन करूँगा।

[यह कृति कुल 4 अंकों के लिए]

(**ध्यान दें -** दिए गए दो विषयों में से किसी एक का चयन कर उस पर निबंध लिखें। चयनित विषय से संबंधित सभी पक्षों पर प्रकाश डालें। निबंध को परिच्छेदों में विभाजित करें। निबंध में आवश्यकतानुसार कहावतों व मुहावरों का भी प्रयोग करें और विरामचिह्नों का ध्यान दें।)

Sample Content

AVAILABLE NOTES FOR STD. X:
(Eng., Mar. & Semi Eng. Medium)

PERFECT SERIES
- English Kumarbharati
- मराठी अक्षरभारती
- हिंदी लोकभारती
- हिंदी लोकवाणी
- आमोद: सम्पूर्ण-संस्कृतम्
- आनन्द: संयुक्त-संस्कृतम्
- History and Political Science
- Geography
- Mathematics (Part - I)
- Mathematics (Part - II)
- Science and Technology (Part - 1)
- Science and Technology (Part - 2)

PRECISE SERIES
- Science and Technology (Part - 1)
- Science and Technology (Part - 2)
- History, Political Science and Geography

PRECISE SERIES
- My English Coursebook
- मराठी कुमारभारती
- इतिहास व राज्यशास्त्र
- भूगोल
- गणित (भाग - I)
- गणित (भाग - II)
- विज्ञान आणि तंत्रज्ञान (भाग - १)
- विज्ञान आणि तंत्रज्ञान (भाग - २)

WORKBOOK
- English Kumarbharati
- मराठी अक्षरभारती
- हिंदी लोकभारती
- My English Coursebook
- मराठी कुमारभारती

Additional Titles: (Eng., Mar. & Semi Eng. Med.)
- Grammar & Writing Skills Books (Std. X)
  - Marathi • Hindi • English
- Hindi Grammar Worksheets
- SSC 54 Question Papers & Activity Sheets With Solutions
- आमोद:(सम्पूर्ण-संस्कृतम्) SSC 11 Activity Sheets With Solutions
- हिंदी लोकवाणी (संयुक्त), संस्कृत-आनन्द: (संयुक्तम्) SSC 12 Activity Sheets With Solutions
- IQB (Important Question Bank)
- Mathematics Challenging Questions
- Geography Map & Graph Practice Book

Scan the QR code to buy e-book version of Target's Notes on Quill - The Padhai App

Quill The Padhai App

Visit Our Website

Target Publications® Pvt. Ltd.
Transforming lives through learning.

Address:
2nd floor, Aroto Industrial Premises CHS,
Above Surya Eye Hospital, 63-A, P. K. Road,
Mulund (W), Mumbai 400 080
Tel: 88799 39712 / 13 / 14 / 15
Website: www.targetpublications.org
Email: mail@targetpublications.org

Explore our range of STATIONERY